एक नजर में

गुना की महारानी महाकाली का दरबार सजा

गुना। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर गुना के तलैया मोहल्ला में 'गुना की महारानी' महाकाली का भव्य दरबार सज चुका है। मध्य प्रदेश में संभवत: गुना ही एकमात्र ऐसा जिला है जहाँ चैत्र नवरात्रि के दौरान इतने भव्य स्तर पर माता का दरबार लगाया जाता है। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी यह झांकी न केवल स्थानीय लोगों, बल्कि आसपास के जिलों के श्रद्धालुओं के लिए भी मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस वर्ष महाकाली की 9 फीट ऊँची भव्य प्रतिमा जबलपुर के प्रसिद्ध कलाकार विजय सोनकर द्वारा तैयार की गई है। माता की प्रतिमा की भव्यता और शिल्पकारी श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर रही है। दरबार में 9 दिनों तक विशेष साज-सज्जा के साथ पूजा-अर्चना की जाएगी। इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह 'बिना चंदे' की झांकी है। समिति का कोई भी सदस्य किसी के पास चंदा लेने नहीं जाता है।

महामंडलेश्वर महाराज की पदयात्रा का भव्य स्वागत

गुना। धूमेश्वर धाम (भितरवार) के महंत महामंडलेश्वर 1008 अनिरुद्ध वन जी महाराज के नेतृत्व में निकाली जा रही 460 किलोमीटर लंबी ऐतिहासिक पदयात्रा आज मंगलवार को गुना नगर की सीमा में प्रवेश करेगी। राष्ट्रवाद, विश्व शांति और जनकल्याण के पावन संकल्प के साथ निकाली जा रही यह यात्रा 15 मार्च को गुना जिले की सीमा में प्रवेश कर चुकी थी, जिसका आज नगर आगमन पर भव्य स्वागत किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, पदयात्रा आज प्रात: 10:00 बजे बिलोनिया और नानाखेड़ी होते हुए हनुमान चौराहा पहुंचेगी। जयस्तंभ चौराहे होते हुए यात्रा मानस भवन पहुंचेगी, जहाँ संत मंडल के विश्राम एवं भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है।

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का 'सुपर एक्शन'

दिव्यांग की ट्राइसाइकिल में खराबी पर भड़के केंद्रीय मंत्री, घर भेजकर बदलवाई मशीन

नवभारत न्यूज

गुना 16 मार्च का। जनसेवा के प्रति अपनी संवेदनशीलता और त्वरित निर्णय लेने की कार्यशैली के लिए पहचाने जाने वाले केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक बार फिर मिसाल पेश की है। शनिवार को गुना में आयोजित दिव्यांगजन किट वितरण कार्यक्रम के दौरान एक लाभार्थी को दी गई ट्राइसाइकिल में तकनीकी समस्या की जानकारी मिलते ही सिंधिया ने कड़ा रुख अपनाया और तत्काल नई ट्राइसाइकिल लाभार्थी के घर भिजवाई।

बूढ़े बालाजी निवासी रामरतन ओझा को कार्यक्रम में ट्राइसाइकिल प्रदान की गई थी, लेकिन उसमें कुछ खराबी सामने आई। जैसे ही यह बात केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के संज्ञान में आई, उन्होंने कार्यक्रम की औपचारिकता का इंतजार नहीं किया। उन्होंने तुरंत अपनी निजी टीम और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि संबंधित ट्राइसाइकिल को तत्काल बदला जाए। कुछ ही घंटों के भीतर, सिंधिया की टीम खुद लाभार्थी रामरतन ओझा के घर पहुंची और उन्हें पूरी तरह कार्यक्षम और नई ट्राइसाइकिल सौंप दी है। इस घटना को लेकर केंद्रीय मंत्री ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को आड़े हाथों लेते हुए स्पष्ट किया कि दिव्यांगजनों की सेवा में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सिंधिया ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा दिव्यांगजनों को दिए जाने वाले उपकरणों की गुणवत्ता से कोई समझौता स्वीकार्य नहीं है। यह सुनिश्चित किया जाए कि वितरण से पहले हर उपकरण की बारीकी से जांच हो, ताकि पात्र व्यक्ति को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। सिंधिया ने प्रशासन को आदेश दिए हैं कि हाल ही में वितरित किए गए सभी उपकरणों की गुणवत्ता की पुन: जांच की जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार की प्राथमिकता केवल योजना का लाभ देना नहीं, बल्कि उसे सम्मानपूर्वक और उच्चतम गुणवत्ता के साथ लाभार्थियों तक पहुंचाना है। केंद्रीय मंत्री के इस 'क्विक एक्शन' की क्षेत्र में काफी चर्चा हो रही है, विशेषकर लाभार्थी परिवार ने उनके इस व्यक्तिगत हस्तक्षेप और संवेदनशीलता के प्रति आभार व्यक्त किया है।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिकरवार, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सिसौदिया, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सारिका लुंबा, सांसद प्रतिनिधि हरिसिंह यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रशासनिक अमले से कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी सहित संस्थान के अधिकारी व कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य नागरिका इस अवसर पर मौजूद थे।

संस्थान की उपलब्धियां और प्लेसमेंट

कार्यकारी निदेशक मंजु मन ने बताया कि एफडीडीआई गुना परिसर का उद्घाटन वर्ष 2017 में स्वयं ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा किया गया था। वर्तमान में यहाँ फुटवियर डिजाइन, फैशन डिजाइन और रिटेल मैनेजमेंट जैसे महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। प्लेसमेंट की जानकारी देते हुए केंद्र प्रभारी जितेंद्र गुप्त ने बताया कि संस्थान में अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए प्लेसमेंट प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। गुना परिसर के कई विद्यार्थियों का चयन मेट्रो, हाउस ऑफ रेयर, जे-क्यू-आर स्पोर्ट्स और डेंड्राइट जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड्स में हो चुका है, जबकि अन्य के लिए प्रक्रिया निरंतर जारी है।

एफडीडीआई पहुंचे सिंधिया, संस्थान के छात्रों से किया संवाद

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई), गुना परिसर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान की शैक्षणिक व तकनीकी सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया और छात्र-छात्राओं व संकाय सदस्यों से सीधा संवाद कर उनका मार्गदर्शन किया। परिसर पहुँचने पर एफडीडीआई के प्रबंध निदेशक विवेक शर्मा (आईआरएस), कार्यकारी निदेशक मंजु मन और वरिष्ठ अधिकारियों ने ज्योतिरादित्य सिंधिया का स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने संस्थान की डिजाइनिंग, कटिंग, क्लोजिंग, कंपोनेंट और लास्टिंग जैसी विभिन्न प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने फुटवियर डिजाइन और उत्पादन की बारीकियों का जीवंत प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि भारत के युवा देश के भविष्य निर्माण की मुख्य कड़ी हैं। उन्होंने छात्रों को नवाचार, कौशल विकास और रचनात्मक सोच के साथ वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मेधावी छात्रों को सम्मानित भी किया।

मध्यप्रदेश अजब है : वोट नगरीय, जनगणना ग्रामीण?

गुना। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रवास के दौरान वार्ड क्रमांक 25, श्रीराम कॉलोनी स्थित मालपुर रोड सांई सिटी कॉलोनी के रहवासियों ने एक अजीबोगरीब समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा। रहवासियों का आरोप है कि नगर पालिका उनसे वोट तो लेती है और वहां विकास कार्य भी करा रही है, लेकिन कागजों में उन्हें नगरीय क्षेत्र की जनगणना से बाहर रखा गया है। ज्ञापन सौंपने पहुंचे कॉलोनीवासियों ने दावा किया कि उनके क्षेत्र में करीब 2000 मतदाता हैं, जो नगर पालिका चुनावों में मतदान करते हैं। इसके बावजूद उन्हें सरकारी योजनाओं का वह लाभ नहीं मिल पा रहा है जो एक शहरी निवासी को मिलना चाहिए। रहवासियों का कहना है कि उन्हें जनगणना की सूची से बाहर कर दिया गया है, जिससे क्षेत्र का विकास प्रभावित हो रहा है। कॉलोनीवासियों ने प्रशासन और नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। रहवासियों के अनुसार, नगर पालिका ने कॉलोनी में 'संजीवनी क्लीनिक' बनवाया है और कुछ सड़कों का निर्माण भी किया है। जब नगर पालिका वहां सड़क डलवा रही है और स्वास्थ्य केंद्र खोल रही है, तो जनगणना के समय इसे नगरीय क्षेत्र मानने से इनकार क्यों किया जा रहा है? ज्ञापन में यह भी शिकायत की गई है कि कॉलोनी में रोड के काम अधूरे छोड़ दिए गए हैं, जिससे आवाजाही में परेशानी हो रही है। साांई सिटी के रहवासियों ने केंद्रीय मंत्री से मांग की है कि उनके वार्ड को आधिकारिक तौर पर नगरीय क्षेत्र की जनगणना में शामिल किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि वे नगर पालिका के लिए वोट डालते हैं, तो उन्हें शहरी क्षेत्र की सभी मूलभूत सुविधाओं और योजनाओं का पूर्ण लाभ मिलना चाहिए। उनके साथ सौतेले जैसा व्यवहार नहीं होना चाहिए।

नानाखेड़ी में गाय की जान बचाने पहुंचे गौसेवक पर जानलेवा हमला

गुना। शहर के कैंट थाना क्षेत्र अंतर्गत नानाखेड़ी मंडी रोड पर रविवार शाम एक गौसेवक के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। सड़क दुर्घटना में घायल गाय की मदद करने पहुंचे 21 वर्षीय गौसेवक धर्मेंद्र कुशवाह पर कुछ स्थानीय युवकों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमले में धर्मेंद्र के सिर पर गंभीर चोट आई है, जिसके बाद उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, रविवार शाम करीब 6 बजे नानाखेड़ी आवासीय कॉलोनी निवासी गौसेवक धर्मेंद्र कुशवाह को सूचना मिली कि ऊमरी रोड पर एक ट्रक ने गाय को टक्कर मार दी है। धर्मेंद्र तुरंत मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक गाय दम तोड़ चुकी थी। धर्मेंद्र के मुताबिक जब

वह ट्रक चालक से बात कर रहे थे, तभी पास में ही रहने वाले लाला जाट, चंदन भील, राहुल यादव और प्रदीप ओझा वहां पहुंच गए। आरोप है कि ये चारों लोग ट्रक चालक का पक्ष लेने लगे और धर्मेंद्र पर अवैध लेन-देन करने का झूठा आरोप लगाकर विवाद करने लगे। विवाद इतना बढ़ा कि आरोपियों ने धर्मेंद्र के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी बीच धर्मेंद्र के सिर पर पीछे से पत्थर से जोरदार हमला किया गया, जिससे वे लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। घटना के बाद अन्य गौसेवक मौके पर पहुंचे और घायल धर्मेंद्र को कैंट थाने लेकर आए, जहां से पुलिस ने उन्हें मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा। घटना के बाद शहर के गौसेवकों और

पत्थर मारकर फोड़ा सिर, हिंदू संगठनों में आक्रोश

हिंदू संगठनों में भारी आक्रोश है। गौसेवकों का आरोप है कि उन्होंने एक आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले भी किया था, लेकिन अभी तक आधिकारिक गिरफ्तारी नहीं दिखाई गई है। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त एफआईआर दर्ज नहीं की गई, तो वे शहर में चक्काजाम करेंगे। कैंट थाना पुलिस ने मामला संज्ञान में ले लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घायल का मेडिकल कराया गया है और बयानों के आधार पर जांच की जा रही है।

12 सूत्रीय मांगों को लेकर बिजली कर्मचारी महासंघ ने भरी हुंकार

नवभारत न्यूज

गुना। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध बिजली कर्मचारी महासंघ ने विद्युत कर्मियों की जायज मांगों का निराकरण न होने पर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। लंबे समय तक लिखित और मौखिक निवेदनों के बाद भी सुनवाई न होने से क्षुब्ध होकर संगठन ने प्रदेश स्तर पर चरणबद्ध आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। महासंघ द्वारा अपनी 12 सूत्री मांगों को लेकर शुरू किए गए इस विरोध प्रदर्शन से आने वाले दिनों में प्रदेश की बिजली व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना बढ़ गई है, जिससे राज्य में अंधकार छाने का खतरा मंडरा रहा है।

संगठन की प्रमुख मांगों में संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण, नियमित कर्मचारियों की वेतन विसंगति दूर करना और वन टाइम गृह जिला स्थानांतरण नीति लागू करना शामिल है। साथ ही आउटसोर्स श्रमिकों के लिए हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश की तर्ज पर निगम मंडल की स्थापना, विद्युत पेंशनरों को राज्य कर्मचारियों की तरह कोषालय के माध्यम से पेंशन भुगतान और मंडल के समय से नियुक्त मीटर रीडरों के संविलियन जैसी महत्वपूर्ण मांगें भी उठाई गई हैं। इसके अतिरिक्त उच्च शिक्षा प्राप्त कर्मचारियों और अधिकारियों सहित सभी वर्गों की समस्याओं को ज्ञापन में प्रमुखता से रखा गया है। मांगें पूरी न होने की स्थिति में संगठन ने तीन चरणों में आंदोलन की घोषणा की है। प्रथम चरण के तहत 16 मार्च 2026 को प्रदेश के

प्रत्येक जिला स्तर पर ऊर्जा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इसके बाद द्वितीय चरण में 2 अप्रैल 2026 को प्रदेश के सभी जिला एवं कंपनी मुख्यालयों पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया जाएगा। अंतिम और तृतीय चरण में प्रदेश की राजधानी भोपाल में विशाल धरने के बाद रैली निकालकर ऊर्जा मंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा। गुना में ज्ञापन सौंपने के दौरान भारतीय मजदूर संघ के विभाग प्रमुख धर्म स्वरूप भार्गव, सहविभाग प्रमुख सोनपाल यादव, जिला मंत्री दीपक गुप्ता और बिजली कर्मचारी महासंघ के जिला संगठन मंत्री आरसी झा सहित क्षेत्रीय सचिव राममोहन शर्मा, जिला अध्यक्ष राजेंद्र यादव, वृत्त सचिव महेंद्र शर्मा और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

कूलर देने से मना करने पर माहौर में खूनी संघर्ष

गुना। माहौर में रविवार रात मामूली विवाद हिंसक संघर्ष में बदल गया। मेहमानों के लिए कूलर न देना एक परिवार को इतना भारी पड़ा कि आरोपियों ने महिला और उसके दो बेटों पर लाठियों से हमला कर दिया। इस हमले में एक युवक की हालत गंभीर होने पर उसे भोपाल रेफर किया गया है। जेठ और उनके परिवार ने मेहमानों की खातिरदारी के लिए बत्तोबाई से कूलर मांगा। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि जेठ-जेठानी के साथ सरपंच के करीब 10 लोग लाठियां लेकर आए और बत्तोबाई व उनके बेटों पर टूट पड़े। इस बर्बर हमले में बत्तोबाई और उनके दो बेटे, धनपाल 22 वर्ष और संतोष 20 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और तीनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया।

खेल शुरू होने के बाद नहीं बदले जा सकते नियम

नवभारत न्यूज

गुना। स्थानीय स्वतंत्रता पार्क में रविवार को जिले के शिक्षकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक शिक्षक पात्रता परीक्षा के संबंध में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 1 सितंबर 2025 को सुनाए गए उस फैसले के विरोध में बुलाई गई थी, जिसमें 5 वर्ष से अधिक सेवा काल शेष रखने वाले सभी शिक्षकों के लिए पात्रता परीक्षा अनिवार्य कर दी गई है।

बैठक में उपस्थित शिक्षकों ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय पर विधिक आपत्ति जताते हुए कहा कि जब यह प्रकरण न्यायालय में चल रहा था, तब प्रभावित होने वाले शिक्षक न तो 'वादी' थे और न ही 'प्रतिवादी'। शिक्षकों का तर्क है कि उनका पक्ष सुने बिना ही ऐसा आदेश सुना दिया गया जिससे पूरे देश के लाखों शिक्षकों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। शिक्षकों ने एक प्रसिद्ध कानूनी सिद्धांत का हवाला देते हुए कहा

कि 'खेल शुरू होने के बाद खेल के नियम नहीं बदले जा सकते।' जिस समय उनकी नियुक्ति हुई थी, उस समय के भर्ती नियमों का पालन किया जाना चाहिए। नौकरी के बीच में नए नियम थोपना अनुचित है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस फैसले के विरुद्ध पुनर्विचार याचिका दायर की जाएगी। इसके लिए आगामी रणनीति तय की गई है। अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक एक विशेष समिति बनाई जाएगी। 15 अप्रैल से पहले सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन दायर की जाएगी। याचिका में स्पष्ट किया जाएगा कि आरटीई लागू होने के बाद की नियुक्तियां पहले से ही पात्रता परीक्षा के माध्यम से हो रही हैं, अत: पुराने शिक्षकों पर यह नियम लागू करना तर्कसंगत नहीं है। शिक्षकों ने निर्णय लिया है कि वे राज्य सरकार से भी अनुरोध करेंगे कि सरकार अपनी ओर से भी एक रिव्यू पिटीशन दायर करे ताकि शिक्षकों के हितों की रक्षा हो सके। शिक्षकों को उम्मीद है कि सर्वोच्च न्यायालय उनकी दलीलों को सुनकर अपने पूर्व के फैसले पर पुनर्विचार करेगा।

कोटा-सिरसा एक्सप्रेस को बीना तक बढ़ाने की मांग, सुनील आचार्य ने रेल मंत्री को लिखा पत्र

गुना। क्षेत्रीय रेल उपभोक्ताओं की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए यात्री सेवा संगठन मध्यप्रदेश के प्रतिनिधि एवं जेआरयूसीसी यानी रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति सदस्य सुनील आचार्य ने रेल मंत्रालय का ध्यान एक महत्वपूर्ण विस्तार की ओर आकर्षित किया है। आचार्य ने रेल मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद को पत्र लिखकर गाड़ी संख्या 19808/09/10 सिरसा-कोटा एक्सप्रेस को कोटा से बढ़ाकर बीना तक चलाने का प्रस्ताव भेजा है। सुनील आचार्य ने अपने पत्र में सुझाव दिया है कि इस ट्रेन के संचालन समय में संशोधन कर इसे और अधिक उपयोगी बनाया जा सकता है। उन्होंने सुझाव दिया है कि ट्रेन सुबह 5:20 बजे कोटा से रवाना हो। गुना और अशोकनगर होते हुए यह सुबह करीब 11:30 बजे बीना स्टेशन पहुंचे। बीना में आवश्यक मेंटेनेंस के बाद इसे दोपहर 4:00 बजे वापस कोटा के लिए रवाना किया जा सकता है। आचार्य के अनुसार, वर्तमान में कोटा से बीना के बीच सुबह के समय कोई सीधी ट्रेन उपलब्ध नहीं है। इस विस्तार से न केवल गुना, शिवपुरी और अशोकनगर बल्कि सागर, विदिशा, भोपाल, व्यावरा और बारां संसदीय क्षेत्रों के करोड़ों यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। विशेष रूप से कोटा, जो देश का प्रमुख शैक्षणिक केंद्र है, वहां इन क्षेत्रों से बड़ी संख्या में विद्यार्थी पढ़ने जाते हैं। सीधी रेल सेवा मिलने से छात्रों को सुरक्षित और सुलभ यात्रा का विकल्प मिलेगा। साथ ही, खाटू श्याम जी और अग्रवाल समाज के प्रसिद्ध तीर्थ अग्रोहाधाम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी यह मार्ग सुगम हो जाएगा। पत्र में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि वर्तमान में यह ट्रेन कोटा स्टेशन पर लगभग 18 से 19 घंटे तक खड़ी रहती है। यदि इसका विस्तार बीना तक किया जाता है, तो रेलवे के संसाधनों का न केवल बेहतर प्रबंधन होगा, बल्कि विभाग को अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति भी होगी। इस मांग पर सकारात्मक विचार कर जल्द ही घोषणा की जाएगी, जिससे बड़े महानगरों से सीधा जुड़ाव संभव हो सकेगा।

सौगातें सिंधिया ने थपथपाई नपाध्यक्ष की पीठ, नपाध्यक्ष बोलीं- श्रीमंत जब भी आते हैं, झोली भरकर सौगात लाते हैं

गुना में विकास की नई इबारत, सिंधिया ने सराहा नपाध्यक्ष सविता गुप्ता का विजन

नवभारत न्यूज

गुना 16 मार्च का। केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने गुना प्रवास के तीसरे दिन शहरवासियों को विकास की बड़ी सौगातें समर्पित कीं। स्थानीय लक्ष्मीगंज में आयोजित धन्यवाद सभा के दौरान सिंधिया ने गुना नगरपालिका द्वारा 15.41 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित सीवर ट्रीटमेंट प्लांट की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए नगरपालिका अध्यक्ष सविता गुप्ता और उनकी पूरी टीम को मंच से बधाई देते हुए कहा कि यह प्रोजेक्ट शहर के जल प्रबंधन में मील का पत्थर साबित होगा।

कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वागत उद्बोधन देते हुए नपाध्यक्ष सविता गुप्ता ने ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने

बेहद आत्मीय भाव से कहा, श्री सिंधिया अपने परिवार (गुना) के बीच कभी भी खाली हाथ नहीं आते हैं। वे जब भी आते हैं, गुना के लिए कोई न कोई बड़ी सौगात साथ लेकर आते हैं। सविता गुप्ता ने लोकार्पित परियोजनाओं के दूरगामी लाभों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सीवर प्लांट के चालू होने से अब उपचारित पानी का उपयोग वाहन धुलाई, निर्माण कार्यों और आग बुझाने जैसे कामों में किया जा सकेगा। इससे शुद्ध पेयजल की बबार्दी रुकेगी और उस पानी की सप्लाई अन्य जरूरतमंद क्षेत्रों में की जा सकेगी। श्रीमती गुप्ता ने कहा कि पिछली बार नवंबर माह में श्री सिंधिया के द्वारा हमारे शहर को गुना अशोकनगर रोड पर दो ओवरब्रिज और पेयजल हेतु अमृत योजना के अंतर्गत जलप्रदात योजना की सौगात तथा वर्षों पुरानी मांग स्पोर्ट्स कंपलेक्स की सौगात द्वारा दी गई थी, जिससे शहर के विकास को हर क्षेत्र में गति मिलेगी। आज श्री सिंधिया का गुना आगमन हुआ है। श्री सिंधिया जब भी गुना आते हैं, खाली हाथ नहीं आते, हमेशा गुना वासियों के लिए कोई न कोई सौगात लेकर आते हैं।

विकास और जनसमस्याओं पर सीधा संवाद

सिंधिया ने बजरंगगढ़ और म्याना के जन समस्या निवारण शिविरों का जिक्र करते हुए प्रशासन को निर्देशित किया कि उनकी चौखट पर आने वाला कोई भी व्यक्ति निराश होकर न जाए। उन्होंने आधुनिक क्रिटिकल केयर यूनिट को संजीवनी बताते हुए कहा कि इसमें हर बेड तक ऑक्सीजन पाइप लाइन और आधुनिक उपकरण मौजूद हैं। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार और विधायक पन्नालाल शाक्य ने भी विचार रखे। मंच पर कलेक्टर, एसपी सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि मौजूद थे, जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन आशीष टांटिया ने किया। अंत में सिंधिया ने नपा टीम को विकास कार्यों को समय सीमा में पूरा करने के लिए पुन: पीठ थपथपाई।आभार सीएमओ मंजूषा खत्री ने व्यक्त किया।

कलेक्टर कन्याल ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सौंपे पीपीओ

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने आज कलेक्ट्रेट परिसर में फरवरी 2026 में सेवानिवृत्त हुए छह कर्मचारियों को पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने सभी सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों का शॉल, श्रीफल एवं पुष्पमाला पहनाकर आत्मीय सम्मान किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। दी गई दीर्घकालीन सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति के दिन ही पेंशन आदेश मिलना कर्मचारियों के लिए मानसिक संतोष का विषय होता है, जिससे उन्हें अपने भविष्य की योजनाएं बनाने में सुविधा होती है।

आरोन में 25 मार्च को लगेगा जिला स्तरीय रोजगार मेला

गुना। लघु व मध्यम उद्यम तथा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के निर्देशन में गुना जिले के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए 'युवा संगम' कार्यक्रम का आयोजन निरंतर जारी है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल एवं जिला पंचायत सीईओ अभिषेक दुबे के मार्गदर्शन में इस माह का जिला स्तरीय रोजगार मेला 25 मार्च 2026 को आरोन तहसील में आयोजित किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी बी.एस. मीना ने जानकारी देते हुए बताया कि उच्च शिक्षा विभाग और राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के समन्वय से यह मेला शासकीय महाविद्यालय, आरोन में प्रात: 11:00 बजे से प्रारंभ होगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आकांक्षी युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेंटिसशिप के अवसर एक ही मंच पर उपलब्ध कराना है। इस रोजगार मेले में मध्य प्रदेश की निजी क्षेत्र की विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल होंगी।